

कलेक्टर ने किया 3 विकासखंडों का दौरा करके शिक्षा से लेकर विकास कार्यों तक का लिया जायजा

कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं से आत्मीय संवाद, जेईई-नीट कोचिंग की व्यवस्था के निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव के साथ अम्बिकापुर, आकांक्षी विकासखंड लखनपुर और उदयपुर विकासखंड का सधन दौरा किया। दौरे में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।



छात्राओं के प्रतिभा की सराहना—कलेक्टर अजीत वसंत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रजपुरी कला पहुंचे। उन्होंने यहां मधुबनी आर्ट से बनी साड़ी, टेबल क्लॉथ, मिट्टी, धान और अनाज की ज्वेलरी, लिप्यन आर्ट, मंडला आर्ट और वेस्ट मटेरियल से बनी सामग्री का अवलोकन कर छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने छात्राओं से रहन-सहन, खान-पान और सुविधाओं पर संवाद किया और परिश्रम कर लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने जिला मिशन समन्वयक और अधीक्षिका को बच्चों की रुचि के अनुसार कैरियर गाइडेंस और आर्ट में आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही 11वीं-12वीं के बच्चों को जेईई और नीट कोचिंग से जोड़ने, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और छात्रावास में बैडमिंटन कोर्ट सहित खेल सुविधाएं विकसित करने को कहा।

दिव्यांग आंकलन शिविर का निरीक्षण—लखनपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय दिव्यांग आंकलन शिविर का निरीक्षण कर कलेक्टर ने शत-प्रतिशत बच्चों के आंकलन और पात्र बच्चों को समय पर प्रमाण पत्र व सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एब्डोमिनल प्रेग्नेंसी का जटिल ऑपरेशन

बच्चेदानी और यूरिनरी ब्लാडर के बीच फंसा था गर्भ, 10 हजार में एक दुर्लभ केस को तीन विभागों की संयुक्त टीम ने किया सफल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर में चिकित्सकों ने एक दुर्लभ और बेहद जटिल एब्डोमिनल प्रेनेंसी का सफल ऑपरेशन कर 29 वर्षीय महिला की जान बचाई है। यह मामला चिकित्सा क्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ माना जाता है।

जानकारी के अनुसार महिला घट दर्द और अनियमित मासिक धर्म की शिकायत के साथ 9 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती हुई थी। सोनोग्राफी में बच्चेदानी के बाहर गर्भ होने का पता चला। इसके बाद महिला को ऑपरेशन के लिए ले जाया गया, जहां जांच में सेकेंडरी एब्डोमिनल प्रेनेंसी की स्थिति सामने आई, जिसमें गर्भ बच्चेदानी और मूत्राशय के



बीच फंसा हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एनेस्थीसिया विभाग और सर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने मोर्चा संभाला और जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति स्वस्थ बताई गई है। चिकित्सकों के अनुसार इस तरह

प्रबंधन ने टीम का बढ़ाया हौसला इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता आपसी समन्वय, विशेषज्ञता और सेवाभाव का उत्कृष्ट उदाहरण है।

की गर्भावस्था लगभग 10 हजार से 25 हजार गर्भावस्थाओं में एक बार देखने को मिलती है, जो मां के लिए जानलेवा हो सकती है। ऑपरेशन में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डॉ. अविनाशी कुजूर, डॉ. सोमिला खेस्स, डॉ. विजया सिंह और डॉ. सृष्टि, एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. रूपक शर्मा, डॉ. अभिजीत और डॉ. संदीप तथा सर्जरी विभाग से डॉ. आनंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्वविख्यात संत रितेश्वर जी महाराज के अंबिकापुर आगमन से भक्त हुए उत्साहित

देवेश्वर कॉलोनी में रात्रि विश्राम के बाद सुबह हुए रवाना

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में बीती रात आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष संचार देखने को मिला। विश्वविख्यात संत, सद्गुरु रितेश्वर महाराज के आगमन से पूरे शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल बन गया। उनके आगमन की खबर मिलते ही श्रद्धालुओं में दर्शन को लेकर उत्पुकता बढ़ गई और आध्यात्मिक चर्चा तेज हो गई।

जानकारी के अनुसार, सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज बीती रात करीब 11 बजे अंबिकापुर पहुंचे। वे आध्यात्मिक जगत के प्रतिष्ठित संत हैं और देश-विदेश में अपने प्रवचनों और सनातन मूल्यों के प्रचार के लिए जाने जाते हैं। उनके अंबिकापुर आगमन से शहर के धार्मिक परिवेश में विशेष



उत्साह देखा गया। संत के आगमन को लेकर भक्तों में सुबह से ही चर्चा बनी रही। भारतीय सनातन परंपरा में संतों के आगमन को आत्मिक शान्ति और प्रेरणा का स्रोत माना जाता है, इसी भाव से श्रद्धालुओं ने उनके आगमन का स्वागत किया।

व्यवसायी नवीन अग्रवाल के यहां किया रात्रि विश्राम—संत रितेश्वर महाराज का रात्रि विश्राम शहर की देवेश्वर कॉलोनी स्थित व्यवसायी नवीन अग्रवाल मोहन मेडिकोज के निवास पर हुआ। देर रात उनके निवास पर पहुंचने के बाद अग्रवाल परिवार में हर्ष और प्रसन्नता का माहौल रहा। परिवार सहित उनके अनुयायियों और करीबी श्रद्धालुओं ने संत का आत्मीय स्वागत किया। व्यवसायी नवीन अग्रवाल के निवास पर महाराज के ठहरने की जानकारी मिलते ही उनके अनुयायियों में विशेष प्रसन्नता देखी गई। रात्रि विश्राम के दौरान निवास परिसर में शांत और भक्तिमय वातावरण बना रहा।

सुबह शिवरीनारायण के लिए हुए रवाना—अंबिकापुर में रात्रि विश्राम के बाद सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज सुबह करीब 11 बजे सड़क मार्ग से छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शिवरीनारायण के लिए रवाना हो गए। शिवरीनारायण छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखता है और प्रभु श्रीराम से जुड़ी मान्यताओं के कारण इसका विशेष महत्व है। महाराज का वहां प्रस्थान उनके पूर्व निर्धारित धार्मिक यात्रा कार्यक्रम का हिस्सा बताया जा रहा है। इन्हें विदा करने कॉलोनी में लोगों का हजूम उमड़ पड़ा।

आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा शहर—विश्वविख्यात संत रितेश्वर महाराज का यह संक्षिप्त प्रवास अंबिकापुर के श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष आध्यात्मिक अवसर बन गया। उनके आगमन से शहर में धर्म, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को लेकर चर्चा का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं का मानना है कि संतों का सान्निध्य जीवन को सही दिशा देता है। देवेश्वर कॉलोनी में व्यवसायी नवीन अग्रवाल (मोहन मेडिकोज) के निवास पर रात्रि विश्राम और फिर शिवरीनारायण के लिए प्रस्थान तक का यह पूरा घटनाक्रम शहर के लिए यादगार बन गया।

शासकीय रोपणी और मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का अवलोकन

अंबिकापुर में शासकीय उद्यान रोपणी में उन्होंने वेजिटेबल सीडलिंग यूनिट, ग्राफ्टेड टमाटर, भाटा, मिर्च उत्पादन, फलदार पौधों का कलमीकरण, हल्दी बीजोत्पादन और वर्मी कंपोस्ट इकाई देखी। नर्सरी को पशुओं और असामाजिक तत्वों से बचाने वाल फेंसिंग का प्राकलन आरईएस विभाग से मंगाने के निर्देश दिए। दरिमा में शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में उन्होंने मछली बीज उत्पादन का जायजा लिया और किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने को कहा।

हाई स्कूल दावा और गौधाम का निरीक्षण

हाई स्कूल दावा में शैक्षणिक व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण कर शिक्षकों को नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देने को कहा। उदयपुर के दावा ग्राम पंचायत में गौधाम का अवलोकन कर सीसी रोड, बोरवेल, पशुओं के टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों का निरीक्षण

उदयपुर में निर्माणाधीन हायर सेकेंडरी स्कूल का निर्माण समय पर गुणवत्तापूर्ण पूरा करने, नवीन सहकारी बैंक भवन में बैंक को जल्द शिफ्ट करने, अपशिष्ट संग्रहण केंद्र और महतारी सदन की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। दौरे में एसडीएम उदयपुर रामराज सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कुसमी तहसील में भिक्षा एवं चंदा मांगने वालों का प्रवेश वर्जित



■ लगाए गए सूचना पट्टिका से मचा बवाल, सकल हिंदू समाज आक्रोशित

छ.ग. फ्रंटलाइन बलरामपुर।

जिले के कुसमी तहसील कार्यालय परिसर में लगे एक सूचना-पट्ट को लेकर विवाद गहरा गया है। बोर्ड पर भिक्षा एवं चंदा मांगने वालों का प्रवेश वर्जित लिखे जाने से सकल हिंदू समाज नाराज है। कुसमी तहसील कार्यालय परिसर में एक सूचना-पट्ट लगाया गया है, जिस पर लिखा है—तहसील परिसर में भिक्षा एवं चंदा मांगने वालों का प्रवेश वर्जित है। सकल हिंदू समाज ने इस पर आपत्ति जताई है। समाज का कहना है कि शरादीय नवरात्रि के दौरान इस तरह का बोर्ड लगाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और लोगों में असंतोष है। हालांकि बोर्ड लगाने के पीछे अधिकारी का उद्देश्य क्या था, इस पर अभी उनका आधिकारिक पक्ष आना बाकी है।

नायब तहसीलदार पर कार्रवाई की मांग

इस मामले को लेकर सकल हिंदू समाज ने 14 अक्टूबर 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुसमी के माध्यम से कलेक्टर बलरामपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नायब तहसीलदार अनग्रह

करकट्टा के विरुद्ध कार्रवाई और उन्हें कुसमी से अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की गई है। समाज ने मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर उचित कदम उठाया जाए।

दो दिन का अल्टीमेटम, नगर बंद व घेराव की चेतावनी

ज्ञापन में समाज ने दो दिनों का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि यदि दो दिनों के भीतर संबंधित अधिकारी को कुसमी से नहीं हटाया गया, तो सकल हिंदू समाज नगर बंद करेगा और तहसील कार्यालय का घेराव करेगा। समाज ने कहा है कि आंदोलन की स्थिति बनने पर इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस चेतावनी के बाद प्रशासन में हलचल है।

कई धार्मिक समितियों का समर्थन

ज्ञापन के साथ लगी हस्ताक्षर सूची में कुसमी की कई प्रमुख समितियों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। इनमें मां दुर्गा पूजा सेवा समिति, मां समलेश्वरी दुर्गा पूजा सेवा समिति, मां भवानी दुर्गा पूजा सेवा समिति और मां शीतला मंदिर समिति के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि आपत्ति सामूहिक रूप से उठाई गई है।

अब प्रशासन के फैसले पर नजर

तहसील एक सार्वजनिक प्रशासनिक परिसर है, जहां व्यवस्था के लिए निर्देश लगाए जा सकते हैं। ऐसे में सूचना-पट्ट की भाषा, उद्देश्य और परिस्थितियों को निष्पक्ष जांच जरूरी है। फिलहाल संबंधित नायब तहसीलदार और जिला प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया आना बाकी है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन दो दिनों के भीतर क्या निर्णय लेता है और विवाद बातचीत से सुलझता है या आंदोलन की ओर बढ़ता है।

कर्मकट्टरा जंगल में 26 हाथियों का अखाड़ा, दंतैल की चिंघाड़ से थर्रा रहा इलाका

चार दिन से कर रहे धान की फसलों का सफाया

छ.ग. फ्रंटलाइन उदयपुर/अंबिकापुर। सरगुजा वन परिक्षेत्र में एक बार फिर हाथियों के दल ने डेरा डाल दिया है। वन परिक्षेत्र उदयपुर के कर्मकट्टरा जंगल में 26 हाथियों के दल ने अखाड़ा जमा लिया है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। हाथियों की जोरदार चिंघाड़ और आपस में कुश्ती से पूरा जंगल थर्रा उठा है। जंगल में जगह-जगह जमीन पर अखाड़े जैसे निशान बन गए हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक इस दल में एक विशालकाय दंतैल हाथी है, जो सभी हाथियों की निगरानी करता है। दिन में पूरा दल पूरे जंगल में घूमता है और रात होते ही खेतों की ओर रुख कर लेता है। यह दंतैल इतना आक्रामक है कि गाड़ियों को देखकर भी नहीं डरता, बल्कि प्रहार करने जैसा व्यवहार करता है। इस वजह से निगरानी करने वाली वन विभाग की टीम भी नजदीक जाने से डर रही है।



जंगल की ओर आवाजाही बंद

हाथियों के आतंक के कारण वन परिक्षेत्र उदयपुर में जंगल की कटाई का काम पूरी तरह रुक गया है। पूरे जंगल में हाथियों की दहशत से लोगों का आना-जाना बंद हो गया है। दिन और रात में हाथियों के जोर से चिंघाड़ने से ग्रामीण सहमे हुए हैं। **मोहनपुर-महेशपुर में चार दिन से फसलों की बर्बादी** पिछले चार दिनों से यह दल मोहनपुर और महेशपुर के खेतों में घुसकर धान की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। किसानों ने बताया कि कल रातभर में ही कई एकड़ धान की तैयार फसल को हाथियों ने रौंद डाला और खा गए। वीडियो में भी साफ देखा जा सकता है कि रात के अंधेरे में टॉर्च की रोशनी में 5-6 हाथी धान के खेत में खड़े होकर फसल खा रहे हैं।

वन विभाग अलर्ट, ग्रामीणों से अपील

फिलहाल 26 हाथियों का यह दल कर्मकट्टरा जंगल में ही जमावड़ा लगाए हुए है। वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने की हिदायत दी है। विभाग ने मोहनपुर, महेशपुर और आसपास के गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने, रात में खेतों में न जाने और हाथियों को परेशान न करने की अपील की है। किसानों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि धान की फसल कटाई के कगार पर है और हाथियों का दल अगर यहीं रुका रहा तो बड़े पैमाने पर नुकसान तय है।

सीएचओ के इंसेंटिव भुगतान की जांच के बाद अनियमितता मिलने पर होगी कार्रवाई

मुख्यालय में नहीं रहने, ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और ऑनलाइन उपस्थिति कम होने की शिकायतों पर एनएचएम ने जारी किया पत्र

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वास्थ्य विभाग में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को दिए जाने वाले इंसेंटिव भुगतान में अनियमितता की शिकायतों पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने जांच के निर्देश दिए हैं। एनएचएम के अपर संचालक इंद्रजीत बर्मन ने 7 अक्टूबर को सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) को पत्र जारी कर सीएचओ की कार्यप्रणाली और इंसेंटिव भुगतान की जांच कराने को कहा है। अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई कर जांच प्रतिवेदन राज्य कार्यालय को भेजना अनिवार्य किया गया है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि सीएचओ को प्रतिमाह इंसेंटिव का भुगतान किया जाता है। इस भुगतान को लेकर शिकायतें मिल रही हैं कि कई अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय में निवास नहीं करते और अपने मूल पदस्थापना स्थल पर समय से ड्यूटी नहीं पहुंचते। इसके अलावा ऑनलाइन उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम रहने, ऑनलाइन कार्य सतोषजनक नहीं होने और ड्यूटी से अनुपस्थित रहने जैसी शिकायतें भी सामने आई हैं। एनएचएम ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर और उप स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव की संख्या शून्य रहने

तथा मातृ-शिशु मृत्यु दर अधिक होने का भी उल्लेख किया है। इन बिंदुओं के आधार पर सभी सीएचओ के इंसेंटिव भुगतान में कथित अनियमितताओं की नियमानुसार जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच पत्र पर सीएचओ संघ को आपत्ति

इधर, छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ ने जांच संबंधी पत्र पर आपत्ति जताई है। संघ ने पत्र को निरस्त या संशोधित करने और अपनी लंबित मांगों का निराकरण करने की मांग की है। संघ का कहना है कि इंसेंटिव भुगतान की जांच पारदर्शी और निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। भुगतान संबंधी अनियमितताओं की जांच के नाम पर सीएचओ से जुड़े अन्य मुद्दों को जोड़ना उचित नहीं है। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर 15 अक्टूबर से प्रदेशभर के सीएचओ ऑनलाइन रिपोर्टिंग कार्य का अनिश्चितकालीन बहिष्कार करेंगे। संघ के अनुसार, इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों को पहले भी पत्र सौंपे गए हैं। 12 अक्टूबर को भी अंतिम सूचना भेजकर कार्रवाई की मांग की गई है। निर्धारित समयसीमा में मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन शुरू करने की बात कही गई है।

सड़क हादसे में घायल अज्ञात वृद्धा की हुई शिनाख्त, पुलिस ने शव स्वजन को सौंपा

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में मृत अज्ञात महिला की पहचान सूरजपुर जिला के बसुला ग्राम निवासी निर्मिता बाई के रूप में हुई है। महिला सड़क हादसे में घायल हुई थी, जिसे सूरजपुर जिला अस्पताल से अंबिकापुर रेफर किया गया था। स्वजन के नहीं पहुंचने के कारण पुलिस ने शव को मर्चुरी में रखवाया था। जानकारी के मुताबिक, निर्मिता बाई पति अजय साय (65 वर्ष) गांव में दाई का काम करती थी। बीते दिनों वह घर से पड़ोस में रहने वाली महिला का प्रसव कराने के लिए सूरजपुर जिला अस्पताल छोड़ने आई थीं। 11 अक्टूबर को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसका प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल सूरजपुर में चला, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर भेज दिया गया था। 13 अक्टूबर को इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। प्रसूता को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद जब वृद्ध महिला घर नहीं लौटी तो परिजन उसे तलाश रहे थे। खोजबीन करते हुए परिजन जिला अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे और मृत महिला की शिनाख्त निर्मिता बाई के रूप में की। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम काराक शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026

ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं स्त्री बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य

भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग

शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30

रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

गढ़वतिया धाम में श्रमिकों को साड़ी व अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन महुली। शारदीय नवरात्रि पर ग्राम मां अष्टभुजी गढ़वतिया देवी धाम में श्रद्धा, सेवा और समर्पण देखने को मिल रहा है। श्री सर्वेश्वरी समूह, अवधूत भगवान राम कृष्ण सेवा आश्रम, पड़ाव, वाराणसी उत्तरप्रदेश के तत्वावधान में शाखा मकरी कुटिया द्वारा धाम परिसर में निःशुल्क प्याऊ एवं प्रसाद वितरण सेवा संचालित की जा रही है।

मंगलवार को नवरात्रि के तीसरे दिन धाम की सीढ़ियों एवं अन्य निर्माण कार्यों में श्रमदान कर रहीं माताओं-बहनों को साड़ी तथा पुरुष श्रमिकों को गमछा एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से श्रम करने वाले लोगों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ सेवा और संवेदना का संदेश दिया गया।

यह सेवा अभियान परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम जी एवं पूज्य बाबा गुप्पद संभव राम जी की कृपा और गुरु-प्रेरणा से संचालित है।

राखड़ और कोयले की धूल से परेशानी को लेकर अनिश्चितकालीन चक्काजाम शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। राखड़ और कोयले के परिवहन से फैल रहे धूल-प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं की आशंका तथा आम नागरिकों को हो रही परेशानियों के विरोध में युवा कांग्रेस का युका जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु के नेतृत्व में बुधवार से एसईसीएल आवासीय कॉलोनी से भटगांव मुख्य मार्ग पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम एवं विरोध प्रदर्शन शुरू हो गई है। पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह द्वारा काफी समझाइश के बाद भी आंदोलन अनवरत जारी है। युका जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु ने आरोप लगाया है कि पिछले करीब दो महीने से लगातार शिकायतों के बावजूद समस्याओं के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्र में



राखड़ और कोयले के परिवहन के दौरान उड़ने वाली धूल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सड़कों पर जमा राखड़ और कोयले की धूल के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है, वहीं भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। विशेष रूप से शारदीय नवरात्र

के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया है। मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। इसके अलावा स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भी धूल तथा भारी वाहनों के कारण परेशानी

झेलनी पड़ रही है। एसईसीएल की आवासीय कॉलोनियों और भटगांव मुख्य मार्ग पर जगह-जगह राखड़ एवं कोयले की धूल जमा होने तथा परिवहन के दौरान धूल उड़ने से आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य, विद्यार्थियों की पढ़ाई और दैनिक आवागमन पर प्रतिकूल

प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। युका नेता ने कि भारी वाहनों का अनियंत्रित आवागमन आम लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। क्षेत्र में पहले भी अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं। पूर्व में पिलखा नायब तहसीलदार द्वारा लिखित आदेश जारी कर भारी वाहनों के आवागमन पर सुबह

6 बजे से 10 बजे तक कालोनियों में परिवहन पर रोक लगाने के निर्देश दिए जाने के बाद वाहनों का परिवहन लगातार जारी है। युका जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु ने आरोप लगाया कि राखड़ परिवहन हेतु निर्धारित रूट चार्ट को छोड़कर मनमाने तरीके से इस मार्ग पर बेवजह उपयोग

कर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को कई बार अवगत कराए जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिस पर बुधवार से अनिश्चितकालीन चक्काजाम व धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। आंदोलन में युका जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु, पार्षद संजीत यादव, पूर्व नप बिश्रामपुर अध्यक्ष आशीष यादव, पूर्व पार्षद जय प्रकाश यादव, संजय सोनी, राहुल सिंह, सुनील कुमार सारथी, लिवनेश पावले, विनय सिंह, नीरज सिंह, प्रेमजीत सिंह, पवन मिश्रा, अवतार सिंह मान, गौतम सिंह, अभिषेक गुप्ता, अमित त्रिपाठी, दुर्गा सिंह, अविनाश पांडेय, रिकू सलुजा, मुकेश सिंह, संजीव शेड्डी, परमेश्वर राजवाड़े सहित अन्य सक्रिय हैं।

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की खदानों में सुरक्षा जांच 22 से 27 तक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में खदानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर क्षेत्रीय सुरक्षा समिति द्वारा निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। 22 से 27 अक्टूबर तक प्रस्तावित इस अभियान के तहत क्षेत्र की विभिन्न खदानों, केंद्रीय अस्पताल, रेस्क्यू इकाई और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों को दो टीमों में विभाजित किया गया है। निरीक्षण के दौरान संबंधित खदानों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया

जाएगा तथा कामगारों की सुरक्षित कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय से जारी पत्र के माध्यम से संबंधित सहक्षेत्र प्रबंधकों को निरीक्षण की निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि निरीक्षण दलों के आवागमन के लिए निर्धारित तिथि को सुबह 9 बजे बिश्रामपुर ट्रॉजिग कैंप से वाहन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही सभी संबंधित कार्य निरीक्षकों को निर्देशित

किया गया है कि वे सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ निरीक्षण में शामिल रहें। क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के निरीक्षण के लिए गठित टीम ए का नेतृत्व इंद्रजीत सिंह करेंगे। इस टीम में एटक से राजेश सिंह, बीएमएस से मनोज कुमार सिंह, एचएमएस से रामचंद्र जायसवाल, सीटू से मुंशीलाल पटेल तथा इनमोसा से राजेंद्र नगपुरे शामिल हैं। वहीं टीम बी का नेतृत्व आश्विन पाटले करेंगे। इस टीम में एटक से केके सिंह, बीएमएस से मुनमुन सिंह, एचएमएस से विकास कुमार, सीटू से राम लाल तथा इनमोसा से विनय

श्रीवास्तव को शामिल किया गया है। दोनों टीमों में विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी रखी गई है, जिससे निरीक्षण के दौरान कामगारों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों को भी सामने लाया जा सके। जारी निरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 22 अक्टूबर को रेहर खदान में टीम ए और गायत्री खदान में टीम बी निरीक्षण करेगी। इसी दिन केतकी खदान में भी टीम ए का निरीक्षण प्रस्तावित है। 23 अक्टूबर को बलरामपुर खदान में टीम बी पहुंचेगी, जबकि कुम्दा 7/8 खदान का निरीक्षण टीम ए

करेगी। 24 अक्टूबर को आमगांव खदान में टीम बी तथा अमेरा खदान में टीम ए निरीक्षण करेगी। 26 अक्टूबर को केंद्रीय अस्पताल और 10 रेस्क्यू इकाई का निरीक्षण टीम बी द्वारा किया जाएगा। 27 अक्टूबर को व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में टीम ए निरीक्षण करेगी। कोयला खदानों में काम के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में क्षेत्रीय सुरक्षा समिति का यह निरीक्षण अभियान खदानों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं, कामकाज की परिस्थितियों और संभावित जोखिमों की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षित हुए जिला स्तरीय अधिकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संयुक्त कलेक्टर एवं जन सूचना अधिकारी प्रशान्त कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में जिला स्तर के कार्यालयों के पदनामित एफएओ एवं पीआईओ का प्रशिक्षण दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों

की जानकारी दी गई। इस दौरान आवेदन प्रक्रिया, निर्धारित समय-सीमा तथा आवेदनों एवं अपीलों के विभिन्न पहलुओं के

से संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण



निराकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया तथा सूचना का अधिकार

कार्यक्रम में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रेमचंद सोनी, धर्मसाय लकड़ा, संतोष उपाध्याय एवं रमेश गुप्ता के द्वारा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

पीएमजीएसवाई व पीडब्लूडी की बदहाल सड़कों पर मंत्री ने सुधार हेतु दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना व पीडब्ल्यूडी के निर्मित सड़कों की खराब स्थिति को लेकर महिला बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कड़ा रुख अपनाते हुए कलेक्टर को जल्द सुधार कार्य कराए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर को भेजे पत्र में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने उल्लेख किया है कि क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सड़कों की बदहाली से

आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी दी थी। जिस पर कलेक्टर सूरजपुर को संबंधित  सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए तत्काल कार्रवाई कराई जाए। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने पत्र में उल्लेख किया

है कि नई बनी सड़कों की खराब हालत के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग की ओर से प्रस्तुत सूची में शामिल सड़कों का निरीक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने को कहा है। साथ ही गारंटी अवधि अंतर्गत आने वाली सड़कों की मरम्मत संबंधित ठेकेदारों से अनुबंध की शर्तों के अनुसार कराए जाएं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराने और उसकी गुणवत्ता पर निगरानी रखने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि

कार्य में देरी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी सड़कों की उपलब्धता लोगों के रोजमर्रा के आवागमन और जरूरी सेवाओं तक पहुंच के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी योजनाओं के तहत किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। सड़कों की मरम्मत में लापरवाही को नजर अंदाज नहीं किया जाएगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर 12 घंटे में लटोरी पहुंची एएलएस एंबुलेंस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर ग्राम पंचायत लटोरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एडवांस लाइफ सपोर्ट एएलएस 108 एंबुलेंस की

में एएलएस एंबुलेंस की सुविधा से गंभीर मरीजों और दुर्घटना पीड़ितों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से लटोरी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लाभ होगा और जरूरत पड़ने पर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों तक सुरक्षित पहुंचाने में सहायता मिलेगी। ज्ञात हो कि 13 अक्टूबर को सूरजपुर में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से लटोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। स्वास्थ्य मंत्री ने तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की और 12 घंटे के भीतर एंबुलेंस लटोरी पहुंच गई। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित थे।

नशे के कारोबारी को न्यायालय ने दी 10 वर्ष सश्रम कारावास व 1 लाख अर्थदण्ड की सजा



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। नशे के कारोबार में लिप्त आरोपी को न्यायालय ने 10 वर्ष सश्रम कारावास व 1 लाख रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। बताया गया है कि 10

21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। मामले के विवेचक एएसआई महेन्द्र सिंह मरावी के द्वारा प्रकरण में पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में पेश किया। प्रकरण का संचालन विशेष लोक अभियोजक रमेश सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया। इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह के यहां हुई। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुये प्रकरण के समग्र तथ्यों, गवाहों के कथन, एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर अपराध सिद्ध होने पर निर्णय 13 अक्टूबर को आरोपी सुशील दास देवांगन को स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 21(सी) के आरोप में दस वर्ष (10 वर्ष) के सश्रम कारावास एवं 1 लाख रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

चौकियों के तेजतर्रार पुलिसकर्मियों को जांच में लगाया गया है, जो अपने-अपने स्तर पर विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रहे हैं। हालांकि पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को ऐसा कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है, जिससे हत्याकांड की गुत्थी सुलझने की दिशा स्पष्ट हो सके। घटना के पीछे का कारण क्या है और वारदात को किसने अंजाम दिया, इन सवालों के जवाब का इंतजार मृतक परिवार के साथ-साथ क्षेत्रवासियों को भी है। दोहरे हत्याकांड मामले में आज संभागीय धोबी समाज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए जापन में कहा गया है कि मां-बेटे की निर्मम हत्या अत्यंत हृदयविदारक और मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। इस वारदात ने आम नागरिकों के मन में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है। रजनी बरेठ और उनके पुत्र सुजल बरेठ की मौत केवल एक परिवार की अपूर्णीय क्षति नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय भी है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और घटना के वास्तविक दोषियों को

कानून के कठघरे तक पहुंचाना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी की निगरानी में विशेष जांच दल गठित करने तथा जांच की नियमित समीक्षा करने की मांग भी की गई है। जापन में मांग की गई है कि घटनास्थल के निरीक्षण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल ट्रेसिंग तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की नियमानुसार वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाए। हत्या के पीछे संभावित कारणों, आपसी रंजिश और साजिश समेत सभी संबंधित पहलुओं की गहन पड़ताल की जाए, ताकि कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य जांच से छूटने न पाए। धोबी समाज ने यह भी कहा है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। यदि जांच के दौरान किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही अथवा साक्ष्यों से छेड़छाड़ सामने आती है, तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। समाज ने अपने जापन में निष्पक्ष जांच पर विशेष जोर देते हुए कहा है कि किसी भी

दोषी को उसके प्रभाव, पहुंच अथवा आर्थिक स्थिति के कारण संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। वहीं पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में किसी निर्दोष व्यक्ति को आरोपी भी नहीं बनाया जाना चाहिए। जांच पूरी होने के बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोप पत्र प्रस्तुत कर प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करने की मांग की गई है। साथ ही पीड़ित परिवार को शासन की मदद चाहिए और पत्राता के अनुरूप आर्थिक सहायता एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया गया है। धोबी समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि इस गंभीर मामले में ठोस कार्रवाई और जांच में पारदर्शिता आवश्यक है। यदि उचित कार्रवाई नहीं होती है, तो न्याय की मांग को लेकर सक्षम उच्चाधिकारियों एवं शासन के समक्ष मामला उठाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर समाज द्वारा धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा। जापन सौंपने वालों में धोबी समाज के संभागीय अध्यक्ष राजेश कुमार रजक, बाबूलाल, रामफल रजक, श्रीमती नीलम, उमेश कुमार, जगदेव रजक, महेश कौशिक सहित अन्य उपस्थित रहे।



अंबिकापुर यूनाइटेड और बलसेड़ी ने जीते नॉकआउट कम लीग फुटबॉल के मुकाबले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 में कल दो रोमांचक मुकाबले खेले गए जिसमे पहला मैच अंबिकापुर यूनाइटेड और कुम्हरता एवं दूसरा मैच बलसेड़ी और घटगांव के मध्य खेला गया। दोनों मैचों में दर्शकों को शानदार फुटबॉल का नजारा देखने को मिला।

पहला मैच अंबिकापुर यूनाइटेड और कुम्हरता के बीच



खेला गया। मैच की शुरूआत से ही अंबिकापुर यूनाइटेड के खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा। बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल के दम पर प्रथम हाफ में ही टीम ने 1-

0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी अंबिकापुर की टीम ने अपना आक्रमण जारी रखा और लगातार दो और गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। कुम्हरता की टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन

अंबिकापुर के डिफेंस के सामने उनकी एक न चली। अंत में अंबिकापुर यूनाइटेड ने 3-0 से मैच अपने नाम कर अगले दौर में प्रवेश किया।

दूसरा मुकाबला दुनामैट के सेकंड राउंड का था, जो बलसेड़ी और घटगांव के मध्य खेला गया। यह मैच बेहद संघर्षपूर्ण रहा। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर गोल करने के कई प्रयास किए, शानदार पास और ड्रिब्लिंग देखने को मिली, लेकिन दोनों ही टीमों गोल करने में नाकाम रही। दूसरे हाफ में भी यही स्थिति बनी रही,

दोनों टीमों का स्कोर 0-0 रहा। मैच का निर्णय टाई ब्रेकर से किया गया, जिसमें बलसेड़ी की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 3-1 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। घटगांव की टीम ने कड़ी टक्कर दी लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। मैचों में निर्णायक की भूमिका में ललित किशोर, सुशील, विकास, नीलभूषण, रामबहादुर लाम्बा रहे। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्मोड़ा, अखिलानंद, मंगल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

विशेष आधार शिविर में उमड़ी भीड़, एक दिन में 411 प्रकरणों का निराकरण शुरू

शंकरगढ़ में 15 और कुसमी में 16 अक्टूबर को लोगो शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। आधार कार्ड से वंचित नागरिकों को सुविधा देने और आधार संबंधी त्रुटियों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा चिप्स के सहयोग से जनपद पंचायत कार्यालय बलरामपुर में विशेष आधार शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों से कुल 411 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनके पंजीयन, सुधार और अद्यतन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। प्राप्त प्रकरणों में सर्वाधिक 220 नाम सुधार और



135 जन्मातिथि सुधार के रहे। इसके अलावा 13 नए आधार पंजीयन, 12-12 बायोमेट्रिक मिलान व लिंग परिवर्तन, 6 आधार निरस्तीकरण, 5 सुधार सीमा पार, 3 अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन, 2-2 आधार लॉक व दिव्यांगजन तथा 1 निष्क्रिय आधार से संबंधित प्रकरण शामिल हैं। निर्धारित

समय-सारणी के अनुसार 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय शंकरगढ़ तथा 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय कुसमी में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर लगेगा, जहाँ नए आधार पंजीयन के साथ सुधार एवं अद्यतन की सुविधा मिलेगी।

जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस मे 112 बाल वैज्ञानिकों ने पेश किए नवाचार, 20-21 नवंबर को स्तरीय सम्मेलन में दिखाएंगे प्रतिभा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का आयोजन उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और स्थानीय समस्याओं का समाधान विज्ञान के जरिए खोजने के लिए प्रेरित करना था। इस वर्ष भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मुख्य विषय साइंस एंड इनोवेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी रखा गया है, जिसके 5 उपविषयों पर जिले के 112 विद्यार्थियों ने अपने नवाचार आधारित लघु शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

सैनियर वर्ग के विजेता - प्रथम



स्थान: कुमारी रोशनी सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रनहत - प्रोजेक्ट: जैविक नियंत्रण, द्वितीय स्थान: अनुष्का, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकरगढ़ - प्रोजेक्ट: कृषि एवं स्वास्थ्य, तृतीय स्थान: पंकज कुमार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरता - प्रोजेक्ट: फूड, हेल्थ एवं आयुर्वेद।

जूनियर वर्ग के विजेता - प्रथम

स्थान: इति दुबे, सेजेस अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजगंज - प्रोजेक्ट: फ्यूचर ऑफ डिसेलिनेशन, द्वितीय स्थान: नीतू सिंह, पूर्व माध्यमिक शाला बाद, राजपुर - प्रोजेक्ट: पोषणयुक्त खाद्य पदार्थ का उत्पादन। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों

ने स्थानीय संसाधनों और समस्याओं को विज्ञान से जोड़कर बेहतरीन समाधान प्रस्तुत किए हैं।

कार्यक्रम के आयोजक रविशंकर श्रीवास ने बताया कि जिले में विज्ञान के प्रति बच्चों का रुझान लगातार बढ़ रहा है, जो भविष्य के लिए शुभ संकेत है। विद्यालय के प्राचार्य चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अब राज्य स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

जिला स्तर पर चयनित ये सभी प्रतिभागी अब 20 एवं 21 नवंबर को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक सम्मेलन में बलरामपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जीवन अनमोल है अभियान के तहत समाजसेविका शिल्पा पाण्डेय के नेतृत्व में सेंट जेवियर इंग्लिश मीडियम, हिंदी मीडियम एवं सेंट जेवियर बीएड कॉलेज में लगभग 1500 बच्चों के बीच तनाव प्रबंधन एवं मानसिक मजबूती को लेकर भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने खुलकर अपनी बातें रखीं।

संस्कार ही मन को मजबूत बनाते हैं- अमोलक सिंह दिल्ली

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी विशेष मामले अमोलक सिंह दिल्ली ने कहा,



रसनातन संस्कृति एवं संस्कारों के अनुपालन से मन कभी रोगी नहीं हो सकता। जो बच्चा अपने परिवार के संस्कारों के साथ लेकर चलता है, अपनी सनातन विरासत और समाज की मर्यादाओं का पालन करता है, उसका मन हमेशा मजबूत रहेगा, कभी कमजोर नहीं हो सकता।

विशेषज्ञों ने दिए अहम टिप्स

ब्रह्माकुमारी बोके विद्या दीदी- कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही

मिश्रा (ब्लड बैंक):- उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें ताकि भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचा जा सके।

अंक ही सबकुछ नहीं-शिल्पा पाण्डेय

जीवन अनमोल है अभियान की संयोजक अधिवक्ता शिल्पा पाण्डेय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, कम या ज्यादा अंक आपको मेहनत का आकलन हो सकते हैं, लेकिन वे आपकी पूरी प्रतिभा, संस्कार, संवेदनशीलता और ईंसानियत का प्रमाणपत्र नहीं हैं। हर बच्चा अलग होता है, किसी में खेल की प्रतिभा तो कोई कला-संगीत में असाधारण। कम अंक आना असफल जीवन का प्रमाण नहीं, बल्कि रणनीति सुधारने का अवसर है।

दिव्यांग बच्चों के आंकलन शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

231 बच्चों का परीक्षण, 68 चिन्हित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। समग्र शिक्षा की समावेशी शिक्षा अंतर्गत सरगुजा जिले के 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के लिए एलमको के सहयोग से विकासखंड स्तरीय आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत और जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव ने लखनपुर जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। यह शिविर कलेक्टर एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन और सीईओ जिला पंचायत एवं जिला

परियोजना संचालक समग्र शिक्षा के निर्देशन में आयोजित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यकता निर्धारण, यूनिक आईडी कार्ड / दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाना और सभी प्रकार के दिव्यांगता आधारित मूल्यांकन करना है।

दो ब्लॉक के 231 बच्चे हुए शामिल

जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत पाठक ने बताया कि पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार आयोजित इस शिविर में लखनपुर विकासखंड से 176 और उदयपुर विकासखंड से 55 कुल 231 दिव्यांग बच्चे अपने अभिभावकों



और शिक्षकों के साथ शामिल हुए। शिविर में कुल 68 बच्चों को मेडिकल प्रमाण पत्र, वरकऊ कार्ड और सहायक उपकरण के लिए चिन्हित किया गया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने किया परीक्षण दिव्यांग बच्चों के परीक्षण के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रही, जिसमें डॉ. नीरज

कुशवाहा, डॉ. प्रेमसाय, डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. विनोद पैकरा, गिरिषा पैकरा, डॉ. दीक्षा सिंह, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जयप्रकाश सिंह, अंकित सिन्हा, आभा साहू, मीना राय शामिल रहे। एलमको की टीम द्वारा बच्चों का उचित नाप एवं परीक्षण कर हियरिंग ऐड, कैलियर्स, ट्राई साइकिल जैसे सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिन्हान किया गया। चिन्हित

बच्चों को जल्द ही ये सहायक सामग्री प्रदाय की जाएगी।

कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर अजीत वसंत ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत बच्चों का आंकलन कर पात्र बच्चों को समय पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र, वरकऊ कार्ड और सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। शिविर में सभी दिव्यांग बच्चों और उनके पालकों के लिए भोजन की व्यवस्था समग्र शिक्षा विभाग द्वारा की गई थी। इस अवसर पर एसडीएम, जनपद सीईओ, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर का तीन ब्लॉकों में सघन दौरा, कस्तूरबा की छात्राओं की कला देख हुए मुग्ध

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव के साथ अम्बिकापुर, आकांक्षी विकासखंड लखनपुर और उदयपुर विकासखंड का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि और निर्माण कार्यों से जुड़े विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय रजपुरी कला में छात्राओं से आत्मीय संवाद

कलेक्टर का पहला पड़ाव रजपुरी कला स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रहा। यहां उन्होंने छात्राओं द्वारा गई मधुबनी आर्ट की साड़ी, टेबल क्लॉथ, मिट्टी की ज्वेलरी,

धान-अनाज की ज्वेलरी, लिप्पन आर्ट, मंडला आर्ट और वेस्ट मटेरियल से बनी कलाकृतियों का अवलोकन किया और छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा की जमकर सराहना की। उन्होंने छात्राओं की कक्षा में जाकर उनके रहन-सहन, खान-पान और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और उनसे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। कलेक्टर ने जिला मिशन समन्वयक और अधीक्षिका को निर्देश दिए कि बच्चों की रुचि के अनुसार कैरियर गाइडेंस दिया जाए और आर्ट विभाग में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने 11वीं और 12वीं की छात्राओं को जेईई और नीट की कोर्सिंग से जोड़ने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। साथ ही लखनपुर बीईओ को मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और जनपद सीईओ को छात्रावास परिसर में बैडमिंटन कोर्ट और अन्य खेल सुविधाएं विकसित करने को कहा।



लखनपुर में दिव्यांग बच्चों के आंकलन शिविर का निरीक्षण

लखनपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय दिव्यांग बच्चों के आंकलन शिविर का कलेक्टर ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को शत-प्रतिशत बच्चों का आंकलन कर पात्र बच्चों को समय पर दिव्यांग प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शासकीय रोपणी और मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का जायजा

अम्बिकापुर में शासकीय उद्यान रोपणी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वेजिटेबल सीडलिंग यूनिट, ग्राफ्टेड टमाटर, भाटा, मिर्च उत्पादन, हल्दी बीजोत्पादन और वर्मी कम्पोस्ट इकाई का अवलोकन किया। उन्होंने पशु और अस्माजिक तत्वों से नर्सरी को बचाने के लिए वॉल फेंसिंग का प्राक्कलन आरइएस

विभाग से तैयार कराने को कहा। दरिमा स्थित शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में उन्होंने मछली बीज उत्पादन का जायजा लिया और किसानों को समय पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

हाई स्कूल दावा और गौधाम का निरीक्षण

हाई स्कूल दावा में कलेक्टर ने शैक्षणिक व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, बिजली और मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया और शिक्षकों को नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देने को कहा। उदयपुर के दावा ग्राम पंचायत में गौधाम योजना के तहत स्वीकृत स्थल का अवलोकन कर उन्होंने सीसी रोड और बोरवेल लगाने के निर्देश दिए। साथ ही पशु चिकित्सा अधिकारियों को पशुओं के टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान और स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा।



अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रद्युमन पांडे थे, जबकि अध्यक्षता प्रतिष्ठान के संचालक परशुराम सोनी एवं श्रीमती सुनीता सोनी ने संयुक्त रूप से की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जगन्नाथ कुशवाहा, शिवनाथ सिंह, हनुमान सिंह, कौशल शर्मा, सिंह सनावल,

गोविंद मिश्रा, भुवनेश्वर जायसवाल, दिलीप सिंह भटगांव, अशोक सोनी, श्रीमती सुभद्रा सोनी, हरिशंकर पलिया, श्रीमती शीला सोनी उपस्थित थे। मंच का सफल संचालन श्रीमती आस्था सोनी ने किया। इस अवसर पर अंशुल, जयंत, अमन, आयुष सहित सैकड़ों की संख्या में ग्राहक उपस्थित थे।

बलरामपुर में एनएच-343 के पोल शिफ्टिंग में गड़बड़ी का आरोप, विद्युत विभाग के कार्यों की जांच की मांग



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के बलरामपुर जिले में ओएंडएम और प्रोजेक्ट विभाग के कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं की शिकायत सामने आई है। सामाजिक कार्यकर्ता उत्तम कुमार मिस्त्री ने एनएच-343 पर विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित कई कार्यों में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए उच्च स्तर पर जांच की मांग की है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता के अनुसार

राजपुर से रामानुजगंज तक एनएच-343 पर विद्युत लाइन शिफ्टिंग के लिए एस्टीमेट स्वीकृत है। आरोप है कि रामानुजगंज क्षेत्र में नए खंभे और तार लगाने के बजाय पुराने 11 केवी के लोहे के खंभों पर ही रंग-रोजन कर दोबारा लगाया जा रहा है। मिस्त्री ने मांग की है कि मौके पर भौतिक सत्यापन कराया जाए कि स्वीकृत एस्टीमेट के अनुसार काम हुआ है या नहीं, सुपरविजन चार्ज और तकनीकी मानकों का पालन किया गया है या नहीं, और लाइन चालू करने के लिए आवश्यक सुरक्षा अनुमतिवां ली गई हैं या नहीं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।

अब पेश करने ही होंगे सबूत

लोकतंत्र में सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और उनका जवाब देना सरकार व संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी। लेकिन जब सवाल चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा हो, तो आरोपों के साथ प्रमाण भी जरूरी होते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर इंडिया ब्लॉक के 11 नेताओं का सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करना इसी कसौटी पर परखा जाएगा। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव समेत विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी याचिका में पक्षकार बनाया है। अब विपक्ष को बताना होगा कि गड़बड़ी कहां हुई, कितने मतदाता प्रभावित हुए और उसके समर्थन में क्या सबूत हैं। सियासी शक्ति प्रदर्शन से मुद्ध चर्चों में आ सकता है, लेकिन आरोप प्रमाणों से ही सिद्ध होते हैं। याचिका दाखिल करने से पहले विपक्षी नेताओं ने प्रधान न्यायाधीश से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने का समय मांगा था। इसके बाद बाराखंबा से सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च निकाला गया। राहुल गांधी ने इस मार्च की तुलना 'शिवजी की बातत' से की। विभिन्न दलों की भागीदारी और नेताओं की मौजूदगी ने इसे राजनीतिक घटनाक्रम जरूर बनाया, लेकिन मार्च का आकार आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं है। विपक्ष को अब राजनीतिक नारों से आगे बढ़कर तथ्य सामने रखने होंगे। चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करना अलग बात है और चुनावी प्रक्रिया में अनिर्णयिता साबित करना अलग। दोनों को एक मानना उचित नहीं होगा। हालांकि, विपक्ष से प्रमाण मांगने का अर्थ उसकी शिकायतों को खारिज करना भी नहीं है। मतदाता सूची से किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हटाना गंभीर मामला है। निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह प्रक्रिया में पारदर्शिता रखे, शिकायतों का निपटारा करे और त्रुटियां मिलने पर पूरी जवाबदेही के साथ सुधार सुनिश्चित करे। किसी संस्था को सवालों से परे नहीं रखा जा सकता, लेकिन बिना प्रमाण लगाए गए आरोपों को भी अंतिम सच नहीं माना जा सकता। न्यायिक जांच का उद्देश्य ही आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना है। कुल मिलाकर अब विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सबूत पेश करने ही होंगे। इसी बीच जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने का फैसला भी चर्चों में है। गृह मंत्रालय की समिति की सिफारिश पर रामलीला मैदान, बुराड़ी और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान को प्रदर्शन का वैकल्पिक स्थल बनाया गया है। अण्णा आंदोलन से लेकर पहलवानों के प्रदर्शन तक, जंतर-मंतर लंबे समय से विरोध की आवाज का प्रमुख केंद्र रहा है। संसद के निकट होने के कारण इसका प्रतीकात्मक महत्व भी है। सुरक्षा, यातायात और सार्वजनिक व्यवस्था की चिंताएं अपनी जगह हैं, लेकिन इनके समाधान के नाम पर शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। वैकल्पिक स्थलों पर पर्याप्त सुविधाएं और स्पष्ट नियम सुनिश्चित करना भी जरूरी है। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही और विपक्ष की जिम्मेदारी, दोनों अनिवार्य हैं। निर्वाचन आयोग को पारदर्शिता से काम करना होगा और विपक्ष को आरोपों के प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। यदि गड़बड़ी हुई है तो उसका खुलासा और सुधार हो; यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते तो राजनीतिक कवकों की प्रसंशा भी हो। लोकतंत्र की विश्वसनीयता शोर से नहीं, तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से मजबूत होती है।

पैरवी

रितीश उपाध्याय



न्याय की राह में आर्थिक

मजबूरी न बने बाधा

न्याय केवल अदालतों के दरवाजे खुले होने से नहीं मिलता। उसके लिए यह भी जरूरी है कि आम नागरिक अपने अधिकारों को समझते हुए न्यायालय की प्रक्रिया में हिस्सा ले सके और उसे एक समक्ष वकील की सहायता मिल पाए, लेकिन जब वकील की फीस चुकाना ही किसी व्यक्ति के लिए नामुमकिन हो जाए, तो न्याय तक उसकी पहुंच एकदम सीमित हो जाती है। इसी प्रकार की असमानता को दूर करने के लिए भारत के संविधान ने निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था प्रदान की है। लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था जरूरतमंदों को सिर्फ वकील उपलब्ध करा रही है या सच में आमजन को प्रभावी प्रतिनिधित्व और न्याय दिला पा रही है? अनुच्छेद 39ए के अंतर्गत भारत के संविधान ने राज्य को यह निर्देश दिया है कि कानूनी व्यवस्था समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा दे और आर्थिक या किसी और प्रकार की अक्षमताओं के कारण किसी नागरिक को न्याय से वंचित न होने दिया जाए। यह राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों का हिस्सा है। सर्वोच्च न्यायालय ने मुफ्त कानूनी सहायता को निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के संवैधानिक सिद्धांत से जोड़ा है, साथ ही न्यायालय ने समय-समय पर यह माना है कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अर्थ केवल जीवित रहने का अधिकार नहीं, बल्कि कानून के अनुरूप निष्पक्ष प्रक्रिया और न्याय मिलना भी है। हसनारा खातून बनाम बिहार राज्य 1979, में सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय से जेलों में बंद कैदियों की स्थिति पर ध्यान दिया और इस फैसले ने यह भी स्पष्ट किया कि गरीब व्यक्ति को मुफ्त कानूनी सहायता न मिलना निष्पक्ष न्याय के रास्ते में गंभीर बाधा है। कानूनी अधिकार तभी सार्थक हैं, जब व्यक्ति उन्हें इस्तेमाल करने की स्थिति में भी हो। लीगल सर्विसेज ऑथॉरिटी एक्ट, 1987 ने इस संवैधानिक उद्देश्य को लागू करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला और तालुका स्तर पर संस्थागत व्यवस्था बनाई है। इस अधिनियम की धारा 12 के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्य, मानव तस्करी या बेगार के पीड़ित, महिलाएं, बच्चों जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है, दिव्यांग व्यक्ति, निर्दिष्ट आपदाओं और हिंसा के पीड़ित, औद्योगिक श्रमिक तथा हिरासत में रखे गए व्यक्ति मुफ्त कानूनी सहायता के पात्र हैं। इन सब के अलावा सामान्य वर्ग के लोग जो निर्धारित आय-सीमा के भीतर आते हैं वो भी सहायता मांग सकते हैं। एनएलएएसए की हेल्पलाइन 15100 और उसकी अधिकारिक वेबसाइट भी जानकारी पाने के माध्यम हैं। सिर्फ वकील मिलना ही काफी नहीं है, कानूनी सहायता की असल परीक्षा अदालत में होती है। उम्मेद देवी बनाम राजस्थान राज्य 2026 के मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इसी अंतर को स्पष्टता से रेखांकित किया है। दहेज संबंधी मांग और कथित उत्पीड़न से जुड़े मामले में अपनी बेटी की मृत्यु के संबंध में आरोपित व्यक्तियों की बरी किए जाने के खिलाफ उम्मेद देवी ने अपील की थी। अपील को दाखिल करने में 19 दिन की देरी हुई और उसे माफ कराने के लिए जरूरी आवेदन नहीं लगाया गया था। हाई कोर्ट में उनकी ओर से कोई वकील उपस्थित नहीं हुआ और मामला बंद कर दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि अदालतों को ऐसे कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। जहां वकील की अनुपस्थिति या अपर्याप्त सहायता से किसी व्यक्ति का कानूनी अधिकार प्रभावित हो सकता है, वहां अदालत को प्रभावी कानूनी सहायता सुनिश्चित करने पर विचार करना चाहिए। रेनलन लीगल सर्विसेज ऑथॉरिटी (फ्री एंड कॉम्पिटेटिव लीगल सर्विसेज) रूरोशेशन, 2010 में पैरल के वकीलों के चयन और उनके काम की निगरानी के प्रावधान हैं। जरूरत इस बात की है कि इन प्रावधानों को कागज से निकालकर व्यवहार में लाया किया जाए। नियमित समीक्षा, उचित प्रशिक्षण, मुविक्तलों से संवाद और खराब प्रदर्शन पर जवाबदेही तय करना भी अति आवश्यक है। मुफ्त कानूनी सहायता के समक्ष जागरूकता की कमी, अनुभवही वकीलों तक लोगों की पहुंच नहीं होना, सीमित संसाधन और कमजोर निगरानी जैसी चुनौतियां खड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और समाज के उस वर्ग तक जिसको इसकी सब से जादा जरूरत है, वहां लोगों में इसकी जानकारी नहीं है। न्याय तक पहुंच का अर्थ केवल अदालत में प्रवेश नहीं, बल्कि वहां अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का अवसर भी है। जब तक यह अवसर समाज में उपस्थित रह जरूरतमंद व्यक्ति को वास्तविक रूप से नहीं मिलता, समान न्याय का वादा अधूरा रहेगा।

(लेखक सुप्रिम न्याय के उद्घिष्टकता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विचार

पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ा

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यमन के हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट गहरा दिया है। शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को हुए हमले में 13 लोगों की मृत्यु हुई और 309 लोग घायल हुए। मृतकों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। रविवार, 11 अक्टूबर को लगातार दूसरे दिन हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं प्रभावित हुई हैं और सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई ने संघर्ष के व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में बदलने की आशंका बढ़ा दी है। रियाद का किंग खालिद अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा सऊदी अरब के प्रमुख विमानत केंद्रों में शामिल है। शनिवार को हुए हमले से तीसरे और चौथे यात्री भवन के आसपास भारी नुकसान हुआ। विस्फोटों के बाद परिसर में अफरातफरी मच गई। यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बचाव दलों ने घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, हमले में प्रारंभिक रूप से 12 लोगों की मृत्यु हुई थी। मृतकों में चार सऊदी नागरिक, दो बांग्लादेशी तथा अमेरिका, मित्र, जॉर्डन, फ्लरस्तीन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल थे। बाद में अस्पताल में एक भारतीय नागरिक की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या 13 हो गई। इस हमले का शिकार विभिन्न देशों के निदेश नागरिक बने। शनिवार की तबाही से हवाई अड्डा उबर भी नहीं पाया था कि रविवार को दोबारा हमला हो गया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के अनुसार, एक प्रक्षेपास्त्र चौथे यात्री भवन से टकराया, जिससे आग लग गई। अधिकारियों ने एक अन्य प्रक्षेपास्त्र को हवाई अड्डे के समीप रोकने की जानकारी दी। दूसरे हमले में भी लोग घायल हुए, हालांकि उनकी अंतिम संख्या स्पष्ट नहीं थी। लगातार हमलों ने अत्याधुनिक हवाई रक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए। भारत के लिए यह घटना विशेष चिंता का विषय है। शनिवार के हमले में घायल भारतीय नागरिक की रविवार को उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। उसकी पहचान हैदराबाद निवासी मोहम्मद युसुफ अली के रूप में सामने आई। परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए। भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवार से संपर्क कर आवश्यक सहायता और पार्थिव शरीर भारत पहुंचाने का अक्षसन दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। भारतीय हताहतों की संख्या को लेकर प्रारंभिक सूचनाओं में अंतर

था। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, एक भारतीय की मृत्यु हुई और दस अन्य घायल हुए। रविवार के दूसरे हमले में अलग से 12 भारतीयों के घायल होने के दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने नागरिकों और नागरिक सुविधाओं पर हमलों की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने ऐसे हमले तत्काल रोकने की मांग करते हुए सऊदी अरब की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति समर्थन दोहराया। रियाद स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों तथा अस्पतालों के संपर्क में है। भारत की चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सऊदी अरब सहित खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते



हैं। ये कर्मचारी भारत में अपने परिवारों को धन भेजते हैं। संघर्ष बढ़ने से उनकी सुरक्षा, रोजगार और आवागमन प्रभावित हो सकता है। भारत के सामने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्रीय संबंधों में संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। हूती विद्रोहियों ने हमलों की जिम्मेदारी स्वीकार की है। यमन में सक्रिय इस संगठन का सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के साथ लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। उनका आरोप है कि यमन में सऊदी सैन्य हस्तक्षेप से व्यापक जनहानि हुई है। संगठन ने रियाद पर हमलों को उसी कार्रवाई का जवाब बताया और भविष्य में भी सऊदी ठिकानों पर हमले जारी रखने की धमकी दी। लेकिन किसी संघर्ष में नागरिक हवाई अड्डों और यात्रियों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के गंभीर प्रश्न खड़े करता है। सैन्य संघर्ष में भी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने हमलों को युद्ध अपराध बताया है, कुछ कठोर जवाब देने की चेतावनी दी। इसके बाद यमन में सैन्य कार्रवाई तेज होने की खबरें आईं। दोनों पक्षों की जवाबी कार्रवाई संघर्ष को अधिक खतरनाक बना सकती है।

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो



महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति

घमंड न करें व दूसरों को कमजोर न समझें



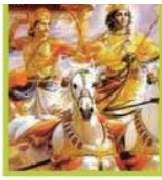
महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर



संकलित

दर्शन

रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हल्का कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम ये यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबसे सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति भी पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश इमानदारी के साथ की जानी चाहिए।



संकलित

प्रेरणा



सटाका

आज की पाती

सपनों को संकल्प में बदलने की सीख

विश्वों किसी भी देश का गतिव्य ही नहीं। उसकी सभासभाओं और प्रगति के खससे कजलू आहार भी होते हैं। उनके दिवारों में नवीनता, आंखों में सपने और कुछ नया कर गुज्रने का उत्साह समाज को आगे बढ़ाने की शक्ति देता है। इसी भावना के साथ भारत में प्रति वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व ज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और युवाओं के प्रेरणास्रोत डा. एबीजे अब्दुल कलाम की जयंती के कारण विशेष महत्व रखता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन को आधिकारिक रूप से विश्व ज्ञान दिवस घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद भारत में यह उत्सव विद्यार्थियों को कलाम के दिवसों से जोड़ने और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने का माध्यम बन गया है।

-रमेश शर्मा, कलानीर

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने कई बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दागीं

उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। हाल के दिनों में हथियारों के प्रदर्शन की बढ़ती घटनाओं के बीच इस प्रक्षेपण से तनाव और बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत लंबे समय से ठप है। दक्षिण कोरिया के ज्वार्टर चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आसपास के क्षेत्र से दागी गईं। उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में अपने हवाई अड्डे का इस्तेमाल मिसाइलों के प्रक्षेपण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में किया है। ज्वार्टर चीफ्स ऑफ स्टाफ ने तत्काल यह स्पष्ट नहीं किया कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या उन्होंने कितनी दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कम से कम दो मिसाइलों का पता लगाया और आकलन किया कि ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरीं। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया द्वारा शुक्रवार को अपने देश में विकसित पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का उड़ान परीक्षण किए जाने के कुछ दिनों बाद हुआ। इस हथियार को ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज उड़ान भरने और मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए तैयार किया गया है।



ऑफ बीट

लाल-पीले पंखों के रंग का रहस्य सुलझा रहे वैज्ञानिक



उपयोग करने के पीछे के जैव-रासायनिक और आनुवंशिकी आधार को लेकर उनकी समझ अभी सीमित है। हालांकि, तोते और 'फिच' (रंग बिरंगी छोटी चिड़ियों की प्रजाति) के बारे में हाल ही में किए गए दो अलग-अलग अध्ययनों ने इस रहस्य पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। एक अध्ययन 'करंट बायोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है जिसका नेतृत्व हम्मसे से एक (डैनियल हूपर) ने किया था। दूसरे अध्ययन का नेतृत्व पुर्तगाली जीवविज्ञानी रबीटी अबोरे ने किया और उसे 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित किया गया।



मां सबको साहस प्रदान करें

नवरात्रि का दूसरा दिन था, त्याग व संकल्प की प्रतीक मां बहमराष्टीणी की आराधना को समर्पित है। वे सभी को साहस और संयम का आशीर्वाद प्रदान करें। मां की कृपा से जीवन में सुख, धर्म, समृद्धि और साधना का मार्ग प्रशस्त हो। -नोटें देवी, पीछा

देश तक बात पहुंचाते रहेंगे

लोगों को दिल्ली आने से रोकवा जा रहा है तथा कुछ लोगों को बसों और ट्रेनों से उतारा जा रहा है। बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद विपक्ष आपत्ति बात देना तक पहुंचाता रहेगा। हम हार मानने वाले नहीं हैं। -राहुल गांधी, सादर, कलकत्ता

अब मिलती है बिजली

'डबल इंजन' की सरकार ने मात्र 10 दिन में किसानों को फसल, मकान और पशुधन की क्षति का मुआझा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। 2017 से पहले की सत्ता सरकार के समय बिजली नहीं आती थी, केवल बिल आता था। अब स्थिति बदल गई है और किसानों को बिजली का विक्रि नहीं आता, बल्कि बिजली मिलती है। -योगी आदित्यनाथ, सीएम, यूपी

मुकदमों की नौबत नहीं आएगी

मैं यह सुनिश्चित करने का वादा करता हूँ कि हमारी सरकार ऐसा कुछ नहीं होने देगी जिससे सरकार की नियुक्तियों में अदालती मुकदमों की नौबत आए। पूर्ववर्ती तीसरी सरकार के दौरान हुई भर्ती प्रक्रिया विवादों में घिरी रही और सुप्रीम कोर्ट ने सूक्त भर्ती के तहत की गई 26,000 नियुक्तियों को रद्द कर दिया। -युग्मेश अधिकारी, सीएम, पंजाब



कलेक्टर का स्वास्थ्य केंद्रों पर औचक निरीक्षण, अनुपस्थित डॉक्टर को नोटिस, लेटलतीफ कर्मचारी को फटकार, बोलीं- स्वास्थ्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर कलेक्टर श्रीमती रीत्तिमा यादव ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुडार, सरभोका और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित डॉक्टर को नोटिस और देर से पहुंची आरएचओ को फटकार लगाई गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

तीन स्वास्थ्य केंद्रों में क्या-क्या मिला?

पीएचसी बुडार - डॉक्टर नदारद: कलेक्टर ने यहां ओपीडी में आने वाले मरीजों और उपचार सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के समय डॉक्टर मौजूद नहीं थीं। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए सीएमएचओ को तुरंत चिकित्सक पदस्थ करने के निर्देश दिए और अनुपस्थित डॉक्टर सृष्टि शिवहरे को नोटिस जारी करने को कहा। उन्होंने एएनसी रजिस्टर देखकर गर्भवती महिलाओं की जांच की स्थिति भी परखी।



पीएचसी सरभोका - कर्मचारी लेट:

यहां आरएचओ श्रीमती लक्ष्मी

कनौजे देर से ड्यूटी पहुंची थीं। कलेक्टर ने उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा जिम्मेदारी और सेवाभाव का काम है, समय पर आना अनिवार्य है। उन्होंने सीएमएचओ और बीएमओ को लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सीएचसी पटना - रात में भी डॉक्टर जरूरी:

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में ओपीडी काउंटर पर भीड़ देख कलेक्टर ने नियमित उपस्थिति पर जोर दिया। शिकायत पेटी के पत्रों का भी अवलोकन

किया। बीएमओ डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा को निर्देश दिया कि रात के समय भी डॉक्टर और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी वाडों और शौचालयों की नियमित सफाई कराई जाए। परिसर के उद्यान में घासफूस मिलने पर बीएमओ पर नाराजगी जताई और साफ-सफाई दुरुस्त करने को कहा।

मितानिनों को दिया विशेष टास्क

पटना सीएचसी में मितानिनों की बैठक लेकर कलेक्टर ने संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने

को कहा। गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच, वजन और पोषण पर ध्यान देने और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के कड़े निर्देश

सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक रजिस्टर और पंजी व्यवस्थित रखें। मरीजों और परिजनों से आत्मीय और विनम्र व्यवहार करें, भरोसा बनाए रखें। सीएमएचओ डॉ. बलवंत सिंह और बीएमओ नियमित निगरानी और समीक्षा करें। समय पर जांच, उपचार और स्वच्छता में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

कार्टून लोकतंत्र का सशक्त दर्पण है, हजारों शब्दों की बात एक कार्टून कह देता है : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कार्टून केवल हंसी-मजाक का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को जागरूक करने, सोचने और आत्ममंथन के लिए प्रेरित करने वाली सशक्त कला है। गंभीर विषयों को सहजता से जनमानस तक पहुंचाने में कार्टून की अद्भुत क्षमता है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में कार्टून वॉच पत्रिका द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कार्टून वॉच पत्रिका के 30 वर्ष पूर्ण होने पर संपादक त्र्यंबक शर्मा और पूरी टीम को बधाई दी।

आर.के. लक्ष्मण को किया याद

मुख्यमंत्री ने महान कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण का स्मरण करते हुए कहा कि उनका बनाया 'कॉमन मैन' केवल एक कार्टून नहीं, बल्कि देश के आम नागरिक की आशाओं और चिंताओं की पहचान बन गया। स्वतंत्रता के बाद बदलते भारत को उन्होंने जिस प्रभावशाली ढंग से दिखाया, वह भारतीय पत्रकारिता की अमूल्य विरासत है।

पीएम मोदी पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन

कार्यक्रम में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र



मोदी के व्यक्तित्व और सेवा यात्रा पर आधारित कार्टून कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्टून के माध्यम से किसी व्यक्तित्व की यात्रा को दिखाना रोचक और विशिष्ट माध्यम है।

युवा कार्टूनिस्टों को दिया संदेश

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी रचनात्मकता को नई उड़ान दें और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों की प्रतिभाओं को भी इस कला से जोड़ना सराहनीय प्रयास है।

अभिषेक तिवारी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

फेस्टिवल में जयपुर के प्रख्यात कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी कलाकार की दीर्घकालीन साधना का सम्मान पूरी कला विधा का सम्मान है।



कामना की।

मां विंध्यवासिनी मंदिर में निर्माणधीन ज्योति कलश भवन का किया निरीक्षण

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में निर्माणधीन ज्योति कलश भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भवन निर्माण से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। ज्योति कलश भवन के निर्माण से मंदिर

परिसर में धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में सहायता मिलेगी।

छिरपानी कॉलोनी के मां दुर्गा पंडाल में किए दर्शन

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा के छिरपानी कॉलोनी स्थित मां दुर्गा पंडाल पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात भी की।

डिजिटल माध्यमों से छत्तीसगढ़ की लोककलाओं को दुनिया तक पहुंचाएं- राज्यपाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के 70वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए राज्यपाल



आतिथ्य में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की 70 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक योगदान का परिणाम बताया। राज्यपाल डेका ने दानवीर राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह और रानी पद्मावती द्वारा अपनी पुत्री राजकुमारी इंदिरा सिंह की स्मृति में विश्वविद्यालय की

स्थापना के लिए दिए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि संगीत मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है, जबकि नृत्य, चित्रकला और शिल्प समाज के इतिहास व संस्कृति को अभिव्यक्त करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि कला के क्षेत्र में सफलता पाने के लिए प्रतिभा के साथ-साथ धैर्य, निरंतर अभ्यास और समर्पण बहुत

जरूरी है। साथ ही, उन्होंने कला को आजीविका और व्यवसाय से जोड़ने की संभावनाओं पर भी बल दिया।

सांसद संतोष पांडे ने राजपरिवार के योगदान को बताया अनुकरणीय

सांसद संतोष पांडे ने कहा कि राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह और रानी पद्मावती द्वारा अपनी पुत्री की स्मृति में दिया गया दान अद्वितीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जमीन दान करना भी कठिन है, लेकिन राजपरिवार की दूरदर्शी सोच ने खैरागढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं (सत्र 2026-27) में प्रवेश हेतु परीक्षा परिणाम का अवलोकन विभागीय वेबसाइट पर 228 रिक्त सीट के आधार पर चतुर्थ ओपन काउंसिलिंग के लिए 16 अक्टूबर को प्रातः 10.30 से शाम 05.00 बजे तक कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर ब्लॉक 5 तृतीय तल हॉल नंबर 4 में छात्र-छात्राओं को निर्धारित काउंसिलिंग तिथि एवं

समय पर अनिवार्य दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। इस संबंध में काउंसिलिंग हेतु छात्र- छात्राओं को अपने साथ अनिवार्य दस्तावेज कक्षा 8वीं प्रधानपाठक/प्राचार्य के द्वारा, 10 रुपए का अल्पसंख्यक अंतर्गत होने संबंधी नोटरी, स्थायी जाति, विशेष पिछड़ी, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीडित प्रमाण पत्र, विशेष श्रेणी से चयनित विद्यार्थियों को काउंसिलिंग की तिथि को दिव्यांगता, दिव्यांग माता-पिता के बच्चे होने, अनाथ बच्चे होने, विधवा माता के बच्चे होने, देश की रक्षा करते हुये या अपने कर्तव्य निर्वहन करते समय पुलिस/अर्द्धसैनिक/सशस्त्र बल/शहीद सैनिक के बच्चे होने का

प्रमाण पत्र, काउंसिलिंग पश्चात संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश की पात्रता होने पर 02 दिवस के भीतर अनिवार्यतः जिला शिक्षा अधिकारी से काउन्टर

हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र के साथ 16 अक्टूबर तक काउंसिलिंग में भाग ले सकते हैं।

जिला स्तरीय रोजगार मेला का सफल आयोजन

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के मंशानुसार 13 अक्टूबर को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय रोजगार मेला का सफल आयोजन किया गया। रोजगार मेले में कुल 151 पदों के लिए 962 अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाईन पंजीयन किया गया जिसमें लगभग 387 अभ्यर्थी साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए। विभिन्न निजी नियोजक संस्थाओं द्वारा भाग लेकर युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर प्रदान करने की पहल की गई है। रोजगार मेले में जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों पर भर्ती, आवश्यक योग्यता एवं रोजगार संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

मंत्री राजवाड़े की पहल से भैयाथान में 5.50 किलोमीटर सड़क निर्माण को मिली स्वीकृति

सड़क बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में मिलेगी सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल और प्रयासों से सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड में सड़क निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत हुआ है। राज्य शासन ने तेलगांव मुख्य मार्ग से बरपारा होते हुए बुदिया चौक तक 5.50 किलोमीटर लंबाई की सड़क के निर्माण के लिए 543.67 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि लगभग 5 करोड़ 43 लाख 67 हजार रुपए है। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। लोक निर्माण विभाग के आदेश के अनुसार निर्माण के



लिए आवश्यक प्रशासनिक और वित्तीय सहमति के बाद स्वीकृति जारी की गई है। कार्य को तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा और इसकी निविदा प्रमुख अभियंता कार्यालय में गठित निविदा प्रकोष्ठ के माध्यम से कराई जाएगी। स्वीकृति आदेश में निर्माण की गुणवत्ता, पारदर्शी निविदा

प्रक्रिया और निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने पर जोर दिया गया है। स्वीकृत राशि की सीमा में ही व्यय सुनिश्चित करने तथा कार्य के प्राक्कलन और निष्पादन में मितव्ययिता बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं। निर्माण कार्य में किसी स्तर पर गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के प्रयासों से स्वीकृत इस सड़क से तेलगांव मुख्य मार्ग, बरपारा और बुदिया चौक के बीच संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। सड़क बनने से स्थानीय ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में सहूलियत मिलेगी और क्षेत्र के लोगों की आवाजाही अधिक सुगम हो सकेगी।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने विभिन्न जिलों और क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से आत्मीय भेंट-मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंत्री बोले - जनसेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता नागरिकों से चर्चा के दौरान मंत्री अग्रवाल ने कहा,



रजनप्रतिनिधि का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व जनता की समस्याओं को समझना और संवेदनशीलता के साथ उनका समाधान करना है। जनता से सीधा संवाद ही जनहितकारी कार्यों को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याण,

सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की भावना से काम कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े।

संवेदनशीलता और तत्परता पर जोर

मंत्री ने अधिकारियों को

स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक ध्यान दिया जाए और नियमानुसार समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा, जनसमस्याओं का समाधान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है।

जनता का विश्वास ही विकास की शक्ति

पर्यटन मंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास और सहभागिता ही विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। नागरिकों से मिलने वाले सुझाव शासन को अधिक जनोन्मुखी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है और इसके लिए जनप्रतिनिधियों का जनता के बीच रहना जरूरी है। अंत में मंत्री अग्रवाल ने कहा कि जनता से मिलने वाला स्नेह और विश्वास उन्हें और अधिक समर्पण के साथ जनसेवा करने की प्रेरणा देता है। आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

आभाव का नहीं है प्रभाव, मां गढ़वतिया देवी धाम में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र स्थित मां गढ़वतिया देवी धाम में शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा 131 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं।

भक्तों की अटूट आस्था के बीच यह धार्मिक स्थल सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मां के दरबार में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर मां के दर्शन कर रहे हैं और ज्योति



मनोकामना ज्योति कलश से जगमगा रहा मंदिर परिसर

कलश के माध्यम से अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहे हैं। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का अभाव होने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई है। मां गढ़वतिया देवी धाम में श्रद्धालुओं की आस्था तो वर्षों

से बनी हुई है, लेकिन धाम तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क, पेयजल और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाओं की जरूरत महसूस की जा रही है। धार्मिक स्थल पर दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को इन

सुविधाओं के अभाव में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद मां के भक्त कठिनाइयों के बीच भी दर्शन करने पहुंच रहे हैं। स्थानीय क्षेत्र में धार्मिक आस्था के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में

पहचान रखने वाले मां गढ़वतिया देवी धाम के विकास की आवश्यकता महसूस की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क, पानी और बिजली की समुचित व्यवस्था किए जाने की जरूरत है। इससे नवरात्र सहित अन्य धार्मिक अवसरों पर यहां पहुंचने वाले भक्तों को राहत मिल सकेगी।

अब सवाल यह है कि श्रद्धालुओं की अटूट आस्था के इस केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कब होगा। मां के दरबार में 131 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित होने के साथ ही भक्तों की आस्था का दीप जगमगा रहा है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में माता भक्त दर्शन एवं पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं।

विद्यार्थियों को दी गई बाल संरक्षण एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में

बच्चों को सेफ टच और अनसेफ टच का अर्थ समझाया और हमेशा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने

विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। यातायात जागरूकता की भी जानकारी दी गई। किशोर न्याय अधिनियम की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों



शासकीय एवं निजी विद्यालयों में बाल सुरक्षा को लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में विश्रामपुर के निजी स्कूल में मिडिल कक्षाओं के बच्चों को बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों पर जागरूक किया गया। जिसमें बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पॉक्सो एक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यदि कहीं भी किसी का स्पर्श असहज लगे तो इसकी जानकारी तुरंत अपने अभिभावकों को दें या टोल फ्री नंबर 1098,181,112 पर भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान बाल विवाह के संबंध में जागरूक किया गया और कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना देने की बात कही। साइबर अपराधों के प्रति विस्तार से बताते हुए

दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इससे दूर रहने तथा शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की समझाइश दी।

कार्यक्रम में फरजाना अंसारी ने सखी केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और बालिकाओं को विशेष रूप से स्वच्छता का ध्यान रखने की बात कही। कार्यक्रम में चाइल्डलाइन से दिनेश यादव सहित संस्था के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

कल रगदा में होगा श्रीरामचरित मानस गायन वादन प्रतियोगिता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर सार्वजनिक माँ दुर्गा युवा बाल समिति रगदा के द्वारा शुक्रवार,16 अक्टूबर को श्रीरामचरित मानस गायन-वादन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न मानस मंडलियां अपनी गायन-वादन कला के माध्यम से प्रभु श्रीराम के आदर्श एवं रामचरित मानस की महिमा का गुणगान करेंगी। समिति के अनुसार, प्रतियोगिता में अनुशासन, पूजा-पद्धति,

वेशभूषा, साज-सज्जा, गायन-वादन, आदर्शवाणी, भावार्थ, प्रसंगिक प्रश्न, मानस प्रश्न एवं देवी भजन सहित विभिन्न



मापदंडों के आधार पर मंडलियों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक मंडली को प्रस्तुति के लिए 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में भारतीय परिधान

की एकरूपता एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मानस मंडली को 51 सौ, द्वितीय को 41 सौ, तृतीय को 31सौ, चतुर्थ को 21 सौ तथा पंचम स्थान प्राप्त करने वाली मंडली को 11सौ रुपये की नकद पुरस्कार प्रदान की जाएगी। सार्वजनिक माँ दुर्गा युवा बाल समिति रगदा ने क्षेत्र की सभी मानस मंडलियों, श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से प्रतियोगिता में शामिल का आग्रह किया है।

आपदा से निपटने अग्निशमन एवं बचाव दल ने विद्यार्थी को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार एवं जिला अग्निशमन अधिकारी के मार्गदर्शन में डीडीआरएफ की संयुक्त टीम द्वारा जिले के देवनगर हायर सेकेंडरी स्कूल में आपदा प्रबंधन, आपातकालीन सुरक्षा एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को विभिन्न आपदाओं से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रहने के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान संयुक्त टीम के प्रशिक्षित कर्मचारियों ने भूकंप, आगजनी, भूस्खलन, अत्यधिक वर्षा, बाढ़ एवं अन्य आपात कालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से आपदा के समय सतर्कता बरतने, सुरक्षित स्थान पर पहुंचने, चब्राने के बजाय संयम बनाए रखने तथा जरूरत पड़ने पर संबंधित



आपातकालीन सेवाओं को तत्काल सूचना देने के महत्व को समझाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्राकृतिक और मानवजनित

आपदाओं के प्रति जागरूक करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने और दूसरों की सहायता करने के लिए तैयार करना था। टीम ने बताया

कि समय रहते सही निर्णय लेना, सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करना और बचाव कार्यों में सावधानी बरतना किसी भी आपदा के दौरान बेहद महत्वपूर्ण होता है। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं

मतदाता सूची में नाम जोड़ने स्कूलों एवं पंचायतों में की जा रही पात्रो की पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने तथा सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए कार्य किया जा रहा हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में स्कूलों एवं ग्राम पंचायतों में संपर्क कर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों की पहचान की जा रही है। साथ ही उन्हें मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया से अवगत कराते हुए नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

माध्यम से पात्र नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवश्यक प्रपत्र, दस्तावेज एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही बूथ लेवल

किया जा रहा विशेष शिविरों का आयोजन

अधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में नागरिकों से संपर्क कर मतदाता सूची के अद्यतनीकरण एवं पंजीयन संबंधी कार्यों में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों में विशेष मतदाता पंजीयन शिविरों के माध्यम से नए एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ आवश्यक आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध

कराई जा रही है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए ईसीआईनेट मोबाइल ऐप अथवा भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक मतदाता सेवा पोर्टल <https://voters.eci.gov.in> के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर भी पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रेना जमील ने जिले के सभी पात्र नागरिकों,

विशेषकर नए युवा मतदाताओं से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने तथा नाम दर्ज नहीं होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इसके लिए सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अवश्य रूप से पंजीयन करवाएं।

शिक्षिका और उनके पुत्र की मौत के मामले में शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। शिक्षिका रजनी बेरट एवं उनके पुत्र सुजल बेरट की मृत्यु की घटना अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक है इस घटना को लेकर क्षेत्र में शोक

उल्लेख किया गया है कि शिक्षिका रजनी बेरट एवं उनके पुत्र सुजल बेरट की मृत्यु की घटना अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक है इस घटना को लेकर क्षेत्र में शोक

मानकर नजर अंदाज न किया जाए बल्कि उपलब्ध तथ्यों, परिस्थितियों और साक्ष्यों के आधार पर गंभीरता से जांच की जाए। ज्ञापन में पुलिस



और चिंता का वातावरण है ऐसे में मामले की परिस्थितियों की निष्पक्ष पड़ताल कर सच्चाई सामने लाना आवश्यक है ताकि घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की स्पष्ट जानकारी सामने आ सके और किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो। शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले को सामान्य प्रकरण

अधीक्षक के समक्ष पांच प्रमुख मांगें रखी गई हैं इनमें प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच करना, घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों की बारीकी से पड़ताल करना, संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज कर आवश्यक तथ्यों का सत्यापन करना तथा जांच में किसी व्यक्ति की संलिप्तता प्रमाणित होने पर उसके विरुद्ध

कानून के अनुसार कठोर कार्यवाही करना शामिल है। इसके अतिरिक्त पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और पूरी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग भी की गई है। ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया है कि जांच के दौरान किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए तथा प्रत्येक तथ्य की निष्पक्षता से पड़ताल होनी चाहिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, युवा कांग्रेस जिलाउपाध्यक्ष अविनाश यादव,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, संगठन महामंत्री भावना सिंह नेताम, राजेश साहू, मुस्तफा खान, सावित्री शर्मा, इमरान अंसारी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिलाई-कढ़ाई के हुनर से आत्मनिर्भर बनीं मंती आयम, हर महीने कमा रहीं 5-6 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा संकल्प अभियान की अंतर्गत शासन की योजनाएं ग्रामीण अंचलों में बदलाव की नई कहानियां लिख रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है रामचन्द्रपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुशपर की निवासी श्रीमती मंती आयम की, जिन्होंने सीमित शिक्षा के बावजूद अपने हुनर के बल पर आत्मनिर्भरता की राह चुनी और आज परिवार की आर्थिक मजबूती में अहम भूमिका निभा रही हैं। आठवीं कक्षा तक पढ़ी श्रीमती आयम के सामने आगे बढ़ने के अवसर सीमित थे। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच वे आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं तलाश रही थीं। इसी दौरान उन्हें

संसदीय संकुल विकास परियोजना की जानकारी मिली। परियोजना के माध्यम से उन्होंने सिलाई और कढ़ाई का विधिवत प्रशिक्षण लिया, जिससे उनमें कौशल के साथ आत्मविश्वास भी आया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने गांव में ही सिलाई का कार्य शुरू किया। अपनी लगन और काम की गुणवत्ता से उन्होंने जल्द ही गांव और आसपास के क्षेत्र में पहचान बना ली। आज वे सिलाई व्यवसाय से हर महीने 5 से 6 हजार रुपये की अतिरिक्त



आमदनी अर्जित कर रही हैं। इस आय से घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चों की पढ़ाई और परिवार की अन्य आवश्यकताओं में भी उन्हें बड़ा

सहारा मिल रहा है। श्रीमती आयम की यह सफलता दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी आर्थिक रूप से सक्रिय बन सकती हैं। उनकी कहानी गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो अब स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। सेवा संकल्प अभियान का यही उद्देश्य है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर हाथ को सम्मानजनक रोजगार मिले।

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में छूटे हुए मतदाताओं के सत्यापन तथा पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के नामांकन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। इसके तहत जिले के सभी 772 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारी वर्तमान मतदाता सूची का मिलान प्री-

एसआईआर मतदाता सूची से कर रहे हैं। जिन मतदाताओं के नाम पूर्व सूची में थे, किंतु विभिन्न कारणों से वर्तमान सूची में शामिल नहीं हैं, उनकी पहचान कर अलग सूची तैयार की जा रही है। बीएलओ ऐसे चिह्नित मतदाताओं के घर-घर जाकर उनकी वर्तमान स्थिति का सत्यापन करेंगे और पात्र पाए जाने पर फॉर्म-6 के माध्यम से नामांकन कराएंगे। घर-घर सर्वे के दौरान छूटे हुए एवं युवा मतदाताओं के फॉर्म भी भरवाए जा रहे हैं। तैयार सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ साझा की जाएगी और अभियान के अंत में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इसे दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराएंगे, जिससे किसी छूटे हुए

मतदाता का नाम जुड़वाने का एक और अवसर मिल सके। मजदूर बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ, बेघर एवं वंचित व्यक्तियों के नामांकन के लिए भी विशेष शिविर लगाए जाएंगे। वहीं कक्षा 9वीं से 12वीं तक के शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरसी क्लब के माध्यम से शिविर आयोजित कर भावी मतदाताओं को पंजीकरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने अथवा निर्वाचन संबंधी किसी शिकायत के समाधान के लिए नागरिक जिले के 772 बूथ लेवल अधिकारियों, 12 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा 02 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. राजमंक०/20(1)/2025-26 ईशतहार एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका श्रीमती सरोज अग्रवाल आ०/पति सुरेश अग्रवाल जाति निवासी अग्रसेन बाई, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बरेजपारा, शीट नम्बर- नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 2602/997 रकबा 2505 वर्गफीट भूमि का लीज अधिधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्न तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 06.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी। नजूल अधिकारी अम्बिकापुर
--

मिस यूनिवर्स की चमक से जगमगाएंगी अंबिकापुर की शाम, डांडिया रास में आएंगी उर्वशी रौतेला

15 अक्टूबर को सरगावां पैलेस में सजेगा सितारों का मंच, नवरात्रि के उत्साह के बीच बॉलीवुड ग्लैमर और डांडिया की धूम



छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बॉलीवुड का ग्लैमर, सितारों की चमक और नवरात्रि के उत्सव का रंग—जब ये तीनों एक साथ नजर आएंगे, तो शाम का यादगार होना तय है! अंबिकापुर में 15 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहे भव्य डांडिया इवेंट ‘डांडिया रास’ में



बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला अपनी मौजूदगी से आयोजन का आकर्षण बढ़ाने आ रही हैं। सरगावां पैलेस रिसॉर्ट में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर शहर में उत्सुकता का माहौल है।

अंतरराष्ट्रीय मंच से बॉलीवुड तक उर्वशी का ग्लैमरस सफर

फैशन और मनोरंजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली उर्वशी रौतेला ने वर्ष 2015 में मिस दिवा का खिताब



जीता था और मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों तक के सफर में उन्होंने अपने स्टाइल, आत्मविश्वास और मंचीय उपस्थिति से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। इनके अंबिकापुर आगमन ने डांडिया रास को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है। स्थानीय दर्शकों के लिए किसी चर्चित बॉलीवुड अभिनेत्री को अपने शहर के

डांडिया की खनक, संगीत की मस्ती, सितारों का जलवा नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा की आराधना के साथ-साथ गरबा और डांडिया की रंगीन परंपरा के लिए भी जाना जाता है। इसी सांस्कृतिक उत्साह को भव्य रूप देने के उद्देश्य से आयोजित डांडिया रास में संगीत, पारंपरिक परिधान और उत्सव की उमंग का संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में भोजपुरी अभिनेत्री एवं गायिका अक्षरा सिंह की मौजूदगी भी खास आकर्षण रहेगी। एक ओर उर्वशी रौतेला का बॉलीवुड ग्लैमर, तो दूसरी ओर अक्षरा सिंह की लोकप्रियता, इन दोनों सितारों की उपस्थिति से कार्यक्रम को लेकर दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

अंबिकापुर में सजेगी यादगार शाम

15 अक्टूबर को सरगावां पैलेस रिसॉर्ट में होने वाला डांडिया रास शहरवासियों को नवरात्रि के उत्सव का खास अनुभव देने की तैयारी में है। डांडिया की लय, संगीत की धुन और सितारों की मौजूदगी के बीच यह आयोजन मनोरंजन प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। अब इंतजार है उस शाम का, जब अंबिकापुर में नवरात्रि के रंगों के साथ बॉलीवुड का ग्लैमर भी देखने को मिलेगा और डांडिया की थाप पर उत्सव का जोश अपने चरम पर होगा।

आयोजन में देखने का अवसर खास आकर्षण बन सकता है।

कांग्रेस ने पदयात्रा करके चुनाव आयोग पर निशाना साधा, लगाए गंभीर आरोप



छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर।

ब्लॉक कांग्रेस कमिटी लखनपुर के ब्लॉक अध्यक्ष अमित सिंह देव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर चौक से तहसील कार्यालय तक पदयात्रा निकाली। इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उदयपुर के माध्यम से राष्ट्रपति महोदय के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक्चर) की समीक्षा कराने, हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम बहाल करने तथा ईवीएम के स्थान पर बलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की है। साथ ही मतदाता सूची एवं निर्वाचन

प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच, निर्वाचन संबंधी डिजिटल रिकॉर्ड का ऑडिट तथा जांच में दोष सिद्ध होने पर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की भी मांग उठाई गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष कृपा शंकर गुप्ता, सत्येंद्र राय, वीरेंद्र सिंह देव, हर्ष सिंह देव, रामसूजन द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष रमेश जायसवाल, जगदीश यादव, विनोद सिंह, भूखल राम, देवनायण सिंह, मुन्ना यादव, जमील खान, भूपेंद्र जायसवाल, गप्पू खान, मोजीब खान, इब्रान, बाबर, अम्बिका यादव, परमेश्वर सिंह, रोहनी सिंह, मोहर लाल, रंगबाज, कृष्णा यादव, मकसूद खान एवं स्वांलिन शर्मा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

त्योहार सीजन में बदहाल सड़कें, गंदगी और बंद सड़क बत्ती से परेशान शहरवासी

कांग्रेस पार्षद दल ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन, प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन की भी उठाई मांग

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। निगम क्षेत्र में सड़कों की दुर्दशा, सफाई व्यवस्था, धूल से बढ़ते प्रदूषण और बंद स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याओं में सुधार को लेकर निगम में नेता प्रतिपक्ष शाफी अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद दल ने निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। साथ ही त्योहार सीजन में निगम के प्लेसमेंट कर्मचारियों को वेतन भुगतान की मांग भी की। अंबिकापुर शहर की सभी मुख्य सड़कों के साथ-साथ अंदरूनी सड़कों की स्थिति भी बदतर है। बरसात में गड़गड़ को भरने के लिए निगम द्वारा डाला गया मलबा अब नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए बड़ी समस्या बन रहा है। गड़गड़ धूल उड़ानी सड़कों पर बंद स्ट्रीट लाइट ने समस्या और बढ़ा दी है। त्योहारों की भीड़ वाले इस सीजन में निगम को डेढ़ साल की नाकामी नागरिकों के सामान्य जीवन और स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही है। धूल से एलर्जी



और फेफड़ों की बीमारियों के मरीज बढ़ रहे हैं। ज्ञापन सौंपते हुए नेता प्रतिपक्ष शाफी अहमद ने कहा कि नवरात्र, दशहरा, दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों पर शहरवासी घंटिया सड़क, गंदगी, बंद स्ट्रीट लाइट और उड़ती धूल से परेशान हैं। शहर में करीब एक साल से साफ-सफाई व्यवस्था प्रभावित है। निगम प्रशासन को त्योहारों में धार्मिक स्थलों और दुर्गा पंडालों की सफाई तत्काल सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने 48 घंटे के भीतर शहर की बंद स्ट्रीट लाइट चालू करने, स्वीकृत सड़कों का डामरीकरण दशहरा से पहले पूरा

करने और अम्बेडकर चौक से दरिमा मोड़ तक नेशनल हाईवे-43 पर नियमित पानी छिड़काव की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने निगम के प्लेसमेंट कर्मचारियों को पिछले 3-4 माह से वेतन नहीं मिलने का मामला भी उठाया और त्योहारी सीजन को देखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से वेतन तत्काल जारी करने की मांग की। इस दौरान पार्षद पापिंद्र सिंह, कलीम अंसारी, बल्केश्वर तिकी, मो. बाबर, शुभम जायसवाल, राजेश पैकरा सहित कांग्रेस नेता राजेन्द्र बहादुर सिंह, संजय सिंह, दिलीप धर, मो. आरिफ आदि मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारीज में चैतन्य देवियों की झांकी का अलौकिक नजारा

उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, दिव्य गुणों से सज रही नवरात्रि

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अंबिकापुर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर लागाई गई चैतन्य देवियों की झांकी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। झांकी के तृतीय दिवस का शुभारंभ दीप प्रचलन एवं आरती के साथ हुआ।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह, निगम आयुक्त विनय अग्रवाल, अंजनी कुमार दुबे, शशिकांत जायसवाल सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि दिव्य गुणों को जीवन में धारण करने से व्यक्ति सम्मान का पात्र बनता है और जीवन सार्थक होता है। वहीं सभापति हरमिंदर सिंह टिप्पणी ने झांकी में देवियों के



सजीव चित्रण की सराहना करते हुए इसे अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव बताया। कार्यक्रम में रेखा बहन के मधुर भक्ति गीत तथा आण्वी एवं रूपा की सुंदर नृत्य प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया। चैतन्य देवियों की सजीव झांकी

के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचकर आध्यात्मिक लाभ ले रहे हैं। सभी अतिथियों ने उपस्थित लोगों को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।

सरगुजा के तीन शिक्षक राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लिए गर्व की खबर है। जिले के तीन शिक्षकों को नेशनल एंटी कर्रप्शन कमीशन (एनएसीसी ईडिया) द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सम्मानित होने वालों में शशि शर्मा, प्रिया सिंह और डॉ. सुनील कुमार यादव शामिल हैं। इनकी इस उपलब्धि से पूरे शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शशि शर्मा शासकीय प्राथमिक शाला भदवाही, विकासखंड उदयपुर में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत हैं। वहीं प्रिया सिंह शासकीय प्राथमिक शाला महेशपुर, विकासखंड अंबिकापुर में शिक्षिका हैं। डॉ. सुनील कुमार यादव शासकीय माध्यमिक शाला पेंडरखी, विकासखंड उदयपुर में शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

तीनों शिक्षकों को मानवता, समाज और राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट योगदान, समर्पण एवं विशिष्ट सेवाओं

मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल के नवीनीकृत आयुष भवन का उद्घाटन

कलेक्टर के निर्देशन में मरीजों के लिए बेहतर सुविधा की पहल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला चिकित्सालय परिसर स्थित आयुष चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन बुधवार को किया गया। सरगुजा कलेक्टर के निर्देश एवं मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भवन का कायाकल्प कराया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थान की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना और आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है। अधिकारियों ने बताया कि भवन के नवीनीकरण से आयुष चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं में इजाफा होगा और स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन अधिक व्यवस्थित एवं सुगम हो सकेगा। सुव्यवस्थित आधारभूत संरचना से न केवल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि मरीजों को भी सुविधाजनक वातावरण मिल सकेगा। उद्घाटन समारोह में



नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिप्पणी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. सरुता और सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी भी मौजूद रहे। अतिथियों ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का विकास समय की जरूरत है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से डॉक्टरों को काम करने में आसानी होती है और मरीजों का भरोसा भी

स्वास्थ्य व्यवस्था पर बढ़ता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले के स्वास्थ्य संस्थानों को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। इस दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉ. शशिकला जायसवाल, डॉ. पी.के. सिन्हा, डॉ. जी.के. दामले, डॉ. संध्या पांडेय, डॉ. नम्रता सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार साहू, डॉ. ज्योति गुप्ता समेत आयुष विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। नवीनीकृत भवन से आयुर्वेद, होम्योपैथी और अन्य आयुष पद्धतियों की सेवाएं और अधिक प्रभावी रूप से संचालित हो सकेंगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का 125 मरीजों ने उठाया लाभ

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिक निगम अंबिकापुर के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ के अंतर्गत बुधवार, 14 अक्टूबर को घुटरापारा आंगनबाड़ी भवन में प्रातः 10 बजे से दोपहर 4.30 बजे तक निःशुल्क आउटरीच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सरगुजा डॉ. जगसाय सिंह सरुता एवं डॉ. दीपक गुप्ता, डी.एम.ओ., सी.पी.एम. डॉ. सीमा तिग्गा भी उपस्थित रहे। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। शिविर में डॉ. पी.के. सिन्हा चर्म रोग विशेषज्ञ, जिला चिकित्सालय, डॉ. शीला नेताम शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. दुर्गा बड़कर स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. जया अग्रवाल प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, यूपीएचसी नवागढ़, डॉ. शोहेब खान चिकित्सा अधिकारी, डॉ. वाणी वर्मा दंत चिकित्सक एवं अक्षय कुशवाहा नेत्र सहायक, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, स्टॉफ नर्स, आर.एच.ओ. पुरुष, ए.एन.एम., चतुर्थ वर्ग उपस्थित रहे। शिविर में



कुल 125 मरीजों, जिनमें 66 महिलाएं एवं 59 पुरुष ने निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। जिसमें सदी एवं बुखार के 28, खुजली एवं त्वचा संबंधी समस्या के 15, गैर संचारी रोग के 40, तथा वृद्धावस्था संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के 31 एवं अन्य मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दवाई वितरण एवं परामर्श दिया गया।

जरूरतमंदों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जगसाय सिंह सरुता ने शहरी क्षेत्र में शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से शहरी नागरिकों, विशेषकर जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है। शिविर के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

रेलवे स्टेशन के पास मिला था बीमार युवक, अस्पताल में 5 महीने बाद तोड़ा दम

पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए मर्चुरी में रखवाया

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र में बीते 18 मई को बीमार हालत में मिले एक अज्ञात युवक की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में इलाज के बीच मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष है। 5 महीने तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद 13 अक्टूबर



को उसने अंतिम सांस ली। पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए फिलहाल अस्पताल के मर्चुरी में रखवाया है।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन अंबिकापुर के पास एक युवक के बीमारी से ग्रसित होने की सूचना पर 108 एंबुलेंस की मदद से उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उसका लगातार उपचार चल रहा था, लेकिन हालत में सुधार नहीं हो सका और 13 अक्टूबर को उसकी मृत्यु हो गई। इस बीच युवक की किसी स्वजन ने खोज-खबर भी नहीं ली। मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज, पहचान पत्र या मोबाइल नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान हो सके। वह बोलने की स्थिति में नहीं था, इसलिए अपना नाम-पता भी नहीं बता पाया। अस्पताल में स्थित पुलिस सहायता केंद्र के प्रभारी ने बताया कि मृतक का शव अस्पताल के मर्चुरी में रखा गया है। यदि किसी को संबंधित युवक की तलाश हो तो पुलिस सहायता केंद्र में संपर्क कर सकते हैं, ताकि उसका अंतिम संस्कार सम्मान पूर्वक हो सके।